



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 750] नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 27, 1992/अग्रहायण 6, 1914

No. 750] NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 27, 1992/AGRAHAYANA 6, 1914

इस भाग में भिल्ल पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1992

का. आ 866 (अ).— यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट आफ असम और इसके विभिन्न
विंगों का, जिसे इसमें इसके पश्चात् यू. एल. एफ. ए. कहा गया है, भारत संघ से असम की
स्वतंत्रता, और इसके पश्चात् भारतीय संघ में असम को विलग करना एक प्रयोजित उद्देश्य है।

और यू. एल. एफ. ए. भारत की प्रभुता और अखंडता को विच्छिन्न करने से आशयित विभिन्न विधि विरुद्ध और हिंसक क्रियाकलापों से लगा हुआ है, जैसे लोगों के बीच गहन असुरक्षा की भावना पैदा करना और अवैध ऐसे कार्य करना जैसे घन उत्पातित करना, राजनैतिक नेताओं, पुलिस पदाधारियों, कारोबारियों और अन्य व्यक्तियों की हत्या करना, व्यक्तियों को घमकी, अभिवासा, अपहरण और तंग करना, अनुसूतिधारियों से अग्न्यायुध छीनना, डकैती डालना, राजमार्ग पर लूटना तथा बैंकों को लूटना, सामाजिक और आर्थिक अपराधों के लिए अभिकल्पित अपराधियों को दंड देना तथा भूमि और भवनों पर बलपूर्वक कब्जा करना;

और केन्द्रीय सरकार की इसके जनक रखे मसौदे पर यह राय है कि यू. एल. एफ. ए. एक विधिविरुद्ध संगम है ;

और केन्द्रीय सरकार की पुलिस, अन्य सशस्त्र बलों और नागरिकों के विरुद्ध हाल ही में यू. एल. एफ. ए. द्वारा की गई लगातार हिंसा में हुई वृद्धि से निपटने की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह राय है कि यू. एल. एफ. ए. को एक विधिविरुद्ध संगम घोषित करना सुरत आवश्यक है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (नियारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यूनार्डेटेड लिब्रेशन फ्रंट आफ असम को एक विधिविरुद्ध संगठन घोषित करती है और उस धारा की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है यह अधिसूचना, किसी ऐसे आदेश के अधीन रहते हुए, जो उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन किया जाए, राजपत्र में उसके प्रकाशन की तारीख में प्रभावी होगी।

[फ. सं 11011 / 109 / 90 एन ई -IV]

बी. पी. मिह, मयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th November. 1992

S.O. 866(E).—Whereas the United Liberation Front of Asom and the various wings thereof, hereinafter referred to as ULFA, have as its professed aim, the "Liberation" of Assam from the Indian Union and thereby, the secession of Assam from the Indian Union :

And whereas ULFA has been indulging in various illegal and violent activities intended to disrupt or which disrupt the sovereignty and integrity of India, such as by creating a deep sense of insecurity among the people, and by committing other acts like extortion of money, murders of political leaders, police officials, businessmen and others, threat, intimidation, kidnapping and harassment of people, snatching of fire arms from license holders, dacoities, highway robberies and looting of banks, punishment of alleged offenders for social and economic crimes and forcible occupation of lands and buildings;

And whereas the Central Government is of the opinion on the materials before it that ULFA is an unlawful association;

And whereas the Central Government is of the opinion that having regard to the circumstances namely, to meet the sustained and ever increasing violence committed by the ULFA in the recent past against the police, the other armed forces and civilians, it is necessary to declare the ULFA as an unlawful association with immediate effect;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby declares the United Liberation Front of Asom (ULFA) to be an unlawful association and directs, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section 3 of that section, that this notification shall, subject to any order that may be made under section 4 of the said Act, have effect from the date of its publication in the Official Gazette.

[File No 11011/109/90-NE.IV]

B. P. SINGH, Jt. Secy.

